यूपी में गन्ने की पेराई शुरू, दाम तय नहीं

वीरेंद्र सिंह रावत
लखनऊ, 16 नवंबर

सरकार ने अब तक नहीं की एसएपी की घोषणा

- गाजियाबाद, बिजनौर और सीतापुर जिले की 3 इकाइयों ने शुरू की पेराई
- पश्चिमी उत्तर प्रदेश की ज्यादातर मिलें अगले 10 दिन में हो जाएंगी चालू
- चीनी की रिकवरी अभी 7.8 प्रतिशत पर
- किसानों ने मांगे 300-325 रु./क्वि. दाम

उत्तर प्रदेश की कुछ मिलों ने गन्ने की पेराई शुरू कर दी है। हालांकि अब तक राज्य की अखिलेश यादव सरकार ने राज्य समर्थित मूल्य (एसएपी) की घोषणा नहीं की है। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा गन्ना और दूसरा सबसे बड़ा चीनी उत्पादक राज्य है।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश की कम से कम 3 चीनी मिलों ने पहले ही पेराई शुरू कर दी है और कुछ और इकाइयां एक-दो दिनों में पेराई शुरू कर देंगी। पेराई शुरू करने वाली इकाइयां गाजियाबाद, बिजनौर और सीतापुर जिले में स्थित हैं।

चीनी की रिकवरी का प्रतिशत अभी 7.8 प्रतिशत के कम स्तर पर है, जिसमें आने वाले दिनों में सुधार होने की उम्मीद है। गन्ना विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक पश्चिमी उत्तर प्रदेश की ज्यादातर मिलें अगले 7 से 10 दिन में चालू हो जाएंगी। चीनी उद्योग के एक प्रवक्ता ने भी दावा किया कि राज्य की कुल 125 मिलों में से करीब आधी मिलें अगले 10 दिन के भीतर चालू हो जाएंगी।

पिछले साल मायावती सरकार ने गन्ने का एसएपी 8 नवंबर 2011 को घोषित किया था और शुरुआती किस्म के गन्ने के दामों में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। इस तरह से प्रति क्विंटल 40 रुपये की बढ़ोतरी के बाद अगेती किस्म के गन्ने के दाम 250 रुपये प्रति क्विंटल हो गए थे। सामान्य किस्म के गन्ने की कीमतों में 35 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी के बाद उसके दाम 240 रुपये प्रति क्विंटल हो गए थे। राज्य में कुल गन्ने के उत्पादन में सामान्य किस्म की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत है। अगेती और सबसे बाद में तैयार होने वाली किस्म की हिस्सेदारी 20-20 प्रतिशत है। बाद में तैयार होने वाले किस्म की कीमतें 235 रुपये प्रति क्विंटल थीं।

इस साल मिलों और किसानों सहित सभी हिस्सेदार अभी भी एसएपी की घोषणा का इंतजार कर रहे हैं। मिलों ने जहां गन्ने के दाम पिछले साल जितना ही बरकरार रखने का अनुरोध किया है, किसानों ने महंगाई दर और उत्पादन लागत में बढ़ोतरी का हवाला देते हुए कीमतें 325-350 रुपये प्रति क्विंटल किए जाने की मांग की है।

हरियाणा में बढ़ा एसएपी

बीएस संवाददाता
चंडीगढ़, 16 नवंबर

हरियाणा गन्ना नियंत्रण बोर्ड ने पहले तैयार होने वाली गन्ने की किस्म के दाम 251 रुपये प्रति क्विंटल, मध्यावधि गन्ने के दाम 240 रुपये प्रति क्विंटल और देर से तैयार होने वाले गन्ने के दाम 235 रुपये प्रति क्विंटल करने का प्रस्ताव किया है। गन्ने की यह प्रस्तावित दरें उत्तर प्रदेश और पंजाब की तुलना में ज्यादा हैं।

हरियाणा गन्ना नियंत्रण बोर्ड की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कृषि मंत्री परमवीर सिंह ने आज यह फैसला किया। मंत्री ने कहा कि इस फैसले से अगेती किस्म की कीमतों में 20 रुपये प्रति क्विंटल और अन्य दो समूह की किस्मों के दाम में 14 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी होगी।